Total Pages : 8

AC-232692

M.A. (Semester-III)
Examination, Dec.-Jan. (2025-26)

HINDI

(Hindi Natak Evam Rangmanch)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 70

निर्देश: प्रश्न-पत्र चार खण्डों में विभक्त है। सभी चार खण्डों के प्रश्न निर्देशानुसार हल कीजिए। अंकों का विभाजन प्रत्येक खण्ड में दिया गया है।

खण्ड-अ

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

निर्देश: किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।

[1×10=10]

Scanned with OKEN Scanner

1. (अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(i) जीनत ..... एकांकी की पात्र है।

(ii) ध्रुवस्वामिनी नाटक की रचना सन्..... में हुई थी।

(iii) ..... नाटक की कथा का आधार महाभारत है।

(iv) सावित्री ..... नाटक की पात्र है।

(v) पंक्ति पूर्ण कीजिए -

"चूरन साहब लोग जो खाता

..... हज़म कर जाता।"

(vi) ..... को हिन्दी एकांकी का जनक माना जाता है।

(ख) सही विकल्प का चयन कीजिए :

(vii) 'विषकन्या' एकांकी की नायिका का नाम है :

(क) मनोहरा

(ख) चन्द्रकांता

(ग) अपराजिता

(घ) ललिता

(viii) "सेत सेत सब एक से जहाँ कपूर कपास

ऐसे देश-कुदेश में कबहुँन कीजै वास।"

पंक्ति किस नाटक से उद्धृत है :

(क) अँधा युग

(ख) अंधेर नगरी

(ग) आधे-अधूरे

(घ) विषकन्या

(ix) 'रामगुप्त' किस नाटक का पात्र है :

(क) ध्रुवस्वामिनी

(ख) अंधायुग

(ग) आधे-अधूरे

(घ) अंधेर-नगरी

(x) 'अंधा-युग' के दूसरे अंक का नाम है :

(क) पशु का उदय

(ख) अश्वत्थामा का अर्द्धसत्य

Scanned with OKEN Scanner

(ग) कौरव नगरी

(घ) गांधारी का शाप

(xi) एकांकी में कुल अंक होते हैं :

(क) एक

(ख) दो

(ग) तीन

(घ) चार

(xii) आधे-अधूरे नाटक में 'काले-सूट वाला आदमी' कितने पुरुषों की भूमिकाएँ निभाता है?

(क) चार

(ख) तीन

(ग) दो

(घ) एक

खण्ड-ब

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश: किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **02** अंकों का है। (शब्द सीमा 25-30 शब्द) [2x5=10]

2. (i) नाटक के प्रमुख तत्व कौन-से हैं?

(ii) एकांकी की परिभाषा लिखिए।

(iii) अंधेर-नगरी नाटक के आधार पर गोवर्धनदास के चरित्र की तीन विशेषताएँ लिखिए।

(iv) जयशंकर प्रसाद के नाटकों के नाम लिखिए।

(v) अधोलिखित की व्याख्या कीजिए-

रक्षणीय कुछ भी नहीं था यहाँ .....

संस्कृति भी यह एक बूढ़े और अंधे की

जिसकी संतानों ने

महायुद्ध घोषित किए

जिसको अन्धेपन में मर्यादा

गलित अंग वेश्या-सी

प्रजाजनों को भी रोगी बनाती फिरी

उस अन्धी संस्कृति,

Scanned with OKEN Scanner

उस रोगी मर्यादा की

रक्षा हम करते रहे

सत्रह दिन।

(vi) विषकन्या एकांकी के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

(vii) 'नुक्कड़-नाटक' के महत्व पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

खण्ड-स

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश: किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **04** अंकों का है।
(शब्द सीमा : 250 शब्द) [5x4=20]

3. (i) जयशंकर प्रसाद की नाट्य-कला पर प्रकाश डालिए।

(ii) 'औरंगजेब की आखिरी रात' के कथानक पर टिप्पणी लिखिए।

(iii) 'विषकन्या' एकांकी का सारांश लिखिए।

(iv) हिन्दी नाटक के प्रमुख भेदों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(v) अंधेर नगरी नाटक के 'बाजार-दृश्य' पर टिप्पणी लिखिए।

(vi) 'आधे-अधूरे' नाटक की पात्र 'स्त्री' के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

(vii) गीतिनाट्य की दृष्टि से 'अंधा-युग' नाटक की समीक्षा कीजिए।

खण्ड-द

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश: किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **10** अंकों का है।
(शब्द सीमा : 500 शब्द) [3x10=30]

4. (i) 'अंधेर नगरी' नाटक की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

(ii) रंगमंच की दृष्टि से आधे-अधूरे नाटक की समीक्षा कीजिए।

(iii) 'अंधा-युग' नाटक का सारांश लिखिए।

(iv) "ध्रुवस्वामिनी आधुनिक युग की सशक्त स्त्री का प्रतिनिधित्व करती है।" इस कथन की व्याख्या कीजिए।

(v) 'हिन्दी नाटक के उद्भव और विकास' पर प्रकाश डालिए।

----x----

Scanned with OKEN Scanner